तिरंगा भारत की आन-बान-शान का प्रतीकः मुख्यमंत्री योगी

वंदे मातरम का उद्घोष करते हुए तिरंगा यात्रा में पंकज चौधरी के साथ आगे-आगे चले मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : हर घर तिरंगा अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी की ओर से रविवार को राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास से लोकभवन तक तिरंगा यात्रा निकाली गयी। तिरंगा यात्रा का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की उपस्थिति में किया। इसके बाद हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय का उदघोष करते हुए कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी,उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य,ब्रजेश पाठक,संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना,परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह,भाजपा के मुख्यालय प्रभारी गोविन्द नारायण शुक्ला,प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल भी यात्रा में शामिल हुए।

तिरंगा यात्रा के शुभारम्भ अवसर पर मुख्यमंत्री ने बोलते हुए कहा कि तिरंगा हमारी विरासत और भारत की आन बान व शान का प्रतीक है। राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत का अपमान करने वालों को संज्ञेय अपराध की श्रेणी रखते हुए दण्डित करने का निर्णय लिया है। रहेंगे भारत में लेकिन भारत के प्रतीकों,भारत के महापुरूषों,राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत को अपमानित करें अब नहीं चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो काम 1947 में होना चाहिए था उसे 75 वर्ष क्यों लगे। कुछ

लोगों के लिए सत्ता सर्वोपरि था लेकिन मोदी के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव है। भारत के प्रतीकों,युवाओं,महिलाओं व किसानों के लिए नई योजनाओं के साथ आगे बढ़ने के लिए उचित मंच देकर हम सब के सामने आदर्श प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री ने अपील की हर घर तिरंगा यात्रा के संकल्प के साथ तिरंगा के मंत्र को ध्यान में रखते हुए घर पर तिरंगा लगायें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में घर पर तिरंगा लगाने के लिए लड़ाई लड़नी पड़ती थी,भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों को घर के ऊपर तिरंगा लगाने की आजादी दी। तिरंगा यात्रा में शहर के विभिन्न विद्यालों के छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए।

वाराणसी में दालमंडी मार्ग चौड़ीकरण परियोजना

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन

अगले तीन महीने में नई सड़क तैयार करने का लक्ष्य, 187 भवनों का ध्वस्तीकरण पूरा

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में बहुप्रतीक्षित दालमंडी मार्ग चौड़ीकरण परियोजना के तहत रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन किया गया। शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चौक छोर पर विधिवत पूजन-अर्चन कर सड़क निर्माण कार्य की शुरुआत की। इस दौरान लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारी भी मौजूद रहे।

भूमिपूजन के बाद विधायक ने निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। परियोजना को अगले तीन महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, दालमंडी मार्ग चौड़ीकरण के लिए चिह्नित सभी 187 भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूरी हो चुकी है। फिलहाल मलबा हटाने और सड़क निर्माण के लिए भूमि को तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है।भवनों के ध्वस्तीकरण के बाद सड़क निर्माण के लिए पर्याप्त

जगह उपलब्ध हो गई है। परियोजना के तहत दालमंडी मार्ग को करीब 60 फीट चौड़ा किया जाएगा।

सड़क के दोनों ओर पाथवे बनाए जाएंगे, जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों के बैठने की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। परियोजना के तहत दालमंडी मार्ग के दोनों ओर स्थित भवनों को एक रंग-रूप में विकसित किया जाएगा। मार्ग पर हरियाली के साथ भगवान शिव की थीम आधारित सजावट भी की जाएगी। इससे दालमंडी को धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से अधिक आकर्षक और सुविधाजनक बनाने की तैयारी है।

करीब 650 मीटर लंबे इस मार्ग की चौड़ीकरण परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 221 करोड़ रुपये है। दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में 22 जुलाई को हुई कैबिनेट बैठक में मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया था। दालमंडी मार्ग चौड़ीकरण की प्रक्रिया की शुरुआत पिछले वर्ष 29 अक्टूबर को धनतेरस के दिन पहले भवन की रजिस्ट्री के साथ हुई थी। इसके बाद भवनों की रजिस्ट्री, मुआवजा वितरण और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई क्रमवार आगे बढ़ी।

सोमवार से शुरू होगा भाजपा का तिरंगा अभियान

घरों और प्रतिष्ठानों में फहराये जाएंगे झंडे : अग्रहरि

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने रविवार को तिरंगा अभियान के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सोमवार 10 अगस्त से तिरंगा अभियान की शुरुआत की जाएगी और 12 अगस्त तक प्रत्येक मंडल एवं वार्ड स्तर पर भव्य तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। 12 अगस्त से 14 अगस्त तक शहीद स्मारकों एवं स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थलों पर स्वच्छता एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 13 अगस्त से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर एवं प्रतिष्ठान पर तिरंगा ध्वज फहराने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने पत्रकारों को बताया कि तिरंगा अभियान के दौरान शहीदों के परिजनों, वीर सैनिकों एवं राष्ट्रसेवा में समर्पित पुलिस कर्मियों का सम्मान किया जाएगा। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा तथा सामाजिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं में अभियान को लेकर जबरदस्त उत्साह है। विशेष रूप से महिला कार्यकर्ता अभियान में बढ़-चढ़ के हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने बताया कि कल से वाराणसी महानगर में राष्ट्रभक्ति का वातावरण सशक्त रूप से दिखाई देगा। पूरे कार्यक्रम का संयोजक महानगर उपाध्यक्ष मधुकर चित्रांश को बनाया गया है।

घूमंतु विकास बोर्ड लिखेगा नई इबारत, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सामाजिक परिवर्तन का मॉडल बनेगा योगी का यूपी

सरकार का ऐतिहासिक कदम, बोर्ड गठन से घुमंतू समाज में आएगी एकरूपता

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : कभी राजाओं की सेनाओं के साथ चलने वाले, लोककला और पारंपरिक कौशल से गांव-गांव जीवन का रंग भरने वाले घुमंतू समुदाय इतिहास के लंबे दौर में धीरे-धीरे हाशिये पर चले गए। आज वही समाज उत्तर प्रदेश में नई पहचान की दहलीज पर खड़ा दिखाई दे रहा है। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश घुमंतू विकास बोर्ड के गठन को मंजूरी देकर एक ऐसा कदम उठाया है जिसे सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय माना जा रहा है।

घुमंतू जनजाति परिषद के प्रदेश संगठन मंत्री राजेश कुमार पांडेय ने हिन्दुस्थान समाचार से खास बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि घुमंतू विकास बोर्ड केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि घुमंतू एवं विमुक्त समाज को पहचान, प्रतिनिधित्व और योजनाओं से जोड़ने का माध्यम बनेगा। बोर्ड शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, आजीविका, सामाजिक सुरक्षा, पुनर्वास और जातीय अभिलेखों की एकरूपता जैसे मुद्दों पर समन्वित कार्य करेगा। इससे राशन कार्ड, आवास, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, भूमि पट्टा और रोजगार योजनाओं तक पहुंच आसान होगी तथा लंबे समय से भटकते समुदायों को स्थायी पहचान और सम्मानजनक जीवन का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि भारत में विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों की अनुमानित आबादी लगभग 10 से 12 करोड़ है। वहीं उत्तर प्रदेश में इन समुदायों की आबादी दो करोड़ है।

1857 से 2014 तक घुमंतू समाज की लंबी यात्रा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घुमंतू एवं विमुक्त समाज के इतिहास में कई महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़े हैं। 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बाद अंग्रेजों ने स्वतंत्रता संघर्ष में सक्रिय समुदायों पर दमन तेज किया। 1871 के क्रिमिनल ट्राइब एक्ट के तहत अनेक घुमंतू जातियों को क्रिमिनल ट्राइब घोषित कर सामाजिक कलंक दिया गया। स्वतंत्र भारत में डा. भीमराव अम्बेडकर ने इस अन्याय को समाप्त करने की दिशा में पहल की। समाज प्रतिनिधियों ने बताया कि 1967 में भी जाति प्रमाणपत्र न मिलने जैसी समस्याएं बनी रहीं। स्वतंत्रता के 78 वर्षों बाद आखिरकार लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2014 में सबका साथ, सबका विकास की नीति के साथ इस समाज को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया को गति मिली।

लोक धरोहर से उपेक्षा तक की यात्रा : नट, बंजारा, सपेरा, कंजर और अन्य विमुक्त-घुमंतू समुदाय सदियों तक भारतीय लोकजीवन का जीवंत हिस्सा रहे। मेलों, उत्सवों और यात्राओं में उनकी कला, संगीत, नृत्य और पारंपरिक हुनर समाज की सांस्कृतिक धरोहर माने जाते थे। लेकिन, समय बदला, जीवन शैली बदली और ये समुदाय स्थायी बसावट, शिक्षा और प्रशासनिक पहचान से दूर होते चले गए। कई परिवारों की पीढ़ियां बिना जमीन, बिना नियमित रोजगार और बिना सामाजिक सुरक्षा के जीवन बिताती रहीं।

44 स्वयं सहायता समूहों की 143 महिलाएं तैयार कर रहीं डेढ़ लाख तिरंगे झंडे

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, बांदा : उत्तर प्रदेश की योगी सरकार स्वतंत्रता दिवस के पर्व को लेकर इसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सक्रिय भागीदार बनाने पर जोर दे रही है। जिसके क्रम में बांदा जिले की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा 'हर घर तिरंगा अभियान 2026' को लेकर डेढ़ लाख तिरंगे झंडे तैयार किया जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से इन तिरंगे झंडों को बनाने की समूहों को जिम्मेदारी दी गई है और ये महिलाएं स्वतंत्रता दिवस को लेकर झंडा बना रही हैं।

जिनके द्वारा बनाए गए तिरंगे झंडे सरकारी विभागों और ग्राम पंचायतों में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लगाए जाएंगे। वहीं सरकार के द्वारा इन स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भुगतान भी किया जाएगा। बांदा जिले में तिरंगे झंडे बनाने का काम 44 स्वयं सहायता समूहों की 143 महिलाओं के द्वारा किया जा रहा है। ये महिलाएं पिछले लगभग एक महीने से तिरंगे झंडे बनाने का काम कर रही है और यह लक्ष्य लगभग पूरा कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए इन महिलाओं को तिरंगे झंडे बनाने का काम मिला था। जिसको यह बखूबी निभा रही हैं और इस स्वतंत्रता दिवस में अपनी सक्रिय भागीदारी भी दर्ज करा रही हैं। एनआरएलएम के डिप्टी कमिश्नर दिवाकर सिंह ने रविवार को बताया कि बांदा जिले में 44 स्वयं सहायता समूहों की 143 महिलाओं के द्वारा तिरंगे झंडे बनाने का काम किया जा रहा है। जिनका भुगतान शासन से होगा। यह महिलाएं झंडों को ग्राम पंचायतों को देगी और फिर इन झंडों को प्रधान और सचिव गांव में वितरित करेंगे। वहीं इन महिलाओं के द्वारा बनाए गए तिरंगे झंडे सरकारी विभागों में भी लगाए जाएंगे।

आपका राशिफल 10 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक 2 6 8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गोरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

पहले यूपी की पहचान माफिया और दंगों से थी, अब विकास की राह पर: योगी

सिद्धार्थनगर को 311 करोड़ रुपये की 107 विकास परियोजनाओं की सौगात दी

नईदुनिया ब्यूरो, सिद्धार्थनगर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सिद्धार्थनगर में 311 करोड़ रुपये की 107 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी और अखिलेश यादव से सवाल किया कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद दोनों दलों ने युवाओं के लिए क्या किया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की पहचान माफिया, गुंडागर्दी और खराब कानून-व्यवस्था से होती थी, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। उन्होंने दावा किया कि भर्ती प्रक्रिया में बिना भेदभाव के नियुक्तियां हुई हैं। सिद्धार्थनगर के युवाओं को भी इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में माफिया का प्रभाव था और

गरीबों की जमीन पर कब्जे की शिकायतें आम थीं। योगी ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में कर्फ्यू और सांप्रदायिक दंगे नहीं होते। त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जा रहे हैं और हर व्यक्ति अपने काम-धंधे में लगा है। उन्होंने कहा कि बेटी और व्यापारियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

काकोरी ट्रेन एक्शन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, ठाकुर रोशन सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काकोरी घटना को काकोरी ट्रेन एक्शन नाम देकर क्रांतिकारियों के योगदान को सम्मान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी पिछड़े और आकांक्षी जिले के रूप में पहचाने जाने वाला सिद्धार्थनगर अब विकास की दौड़ में आगे बढ़ रहा है। मेडिकल कॉलेज, काला नमक चावल और कपिलवस्तु के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के तहत काला नमक चावल को बढ़ावा दिया जा रहा है। कपिलवस्तु में बुद्ध थीम पार्क और विपश्यना केंद्र के लिए भी काम चल रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल्द नई युवा नीति लाई जाएगी। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए वर्चुअल और फिजिकल कक्षाओं की व्यवस्था होगी।

बिलारी में जाट महासभा ने किया सम्मान

भूपेंद्र सिंह बोले- बिलारी से चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं

नईदुनिया ब्यूरो, बिलारी: अखिल उत्तर प्रदेश जाट महासभा के तत्वावधान में संभल रोड स्थित सिरोही बैंक्विट हॉल में रविवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह का जाट समाज की ओर से स्वागत और सम्मान किया गया। कैबिनेट मंत्री बनने के बाद बिलारी में यह उनका पहला आगमन बताया गया।

कार्यक्रम से पहले गन्ना समिति बिलारी में समिति अध्यक्ष चौधरी विजय सिंह के नेतृत्व में सभा आयोजित कर भूपेंद्र सिंह का स्वागत किया गया। इसके बाद वह सिरोही बैंक्विट हॉल पहुंचे, जहां क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में जाट समाज के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में समाज की एकजुटता और राजनीतिक भागीदारी को लेकर चर्चा हुई। वक्ताओं ने राजनीतिक मतभेद और द्वेष भुलाकर एकजुट रहने का आह्वान किया। साथ ही बिलारी विधानसभा सीट को भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया गया।

कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह ने बिलारी विधानसभा से चुनाव लड़ने को लेकर चल रही चर्चाओं पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका इस सीट से चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह वर्तमान में कैबिनेट मंत्री हैं और पार्टी की सेवा करना चाहते हैं। पार्टी जिसे भी टिकट देगी, वह उसका समर्थन करेंगे, लेकिन स्वयं बिलारी विधानसभा से चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने जाट समाज को भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों से अवगत कराया तथा समाज से एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुई। इसके बाद अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

नॉनवेज दुकानों पर चला बुलडोजर हथियारबंद जवान तैनात

दुकानों पर छापा मारकर चार लोगों को पकड़ा

नईदुनिया ब्यूरो, मेरठः पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे और जल लेने जा रहे शिवभक्तों के बीच इस बार कांवड़ यात्रा में भक्ति के साथ अलग-अलग रंग भी देखने को मिल रहे हैं। कहीं 'आदि योगी' तो कहीं 'कांतारा' फिल्म की थीम पर कांवड़ सजाई गई है।

सहारनपुर में रजनी ने अपने दिवंगत पति की याद में कांवड़ उठाई है। उन्होंने कांवड़ पर पति निशु की तस्वीर लगाई है। रजनी के पति की 2022 में मौत हो गई थी। हापुड़ में डीएम कविता मीना और एसपी केजी सिंह ने कांवड़ियों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की। बरेली में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। प्रशासन ने यहां कांवड़ियों के लिए कांवड़ विलेज बनाया है।

बरेली में कांवड़ यात्रा मार्ग पर नॉनवेज बेचने के आरोप में पुलिस ने दो दुकानों पर छापा मारकर चार लोगों को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक दुकानदारों को पहले ही नॉनवेज नहीं बेचने की चेतावनी दी गई थी। इसके बाद एक दुकान के टिन शेड और काउंटर को बुलडोजर से हटा दिया गया। बुलंदशहर में एक मुस्लिम महिला अपने लिव-इन पार्टनर के साथ कांवड़ यात्रा पर निकली है। दोनों करीब 95 किलोमीटर की यात्रा कर 11 अगस्त को ग्रेटर नोएडा में जलाभिषेक करेंगे। अनूपशहर में तीन फीट लंबे मुकुल 41 लीटर गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा कर रहे हैं। मेरठ में रीना अपने बीमार पति को पीठ पर लादकर कांवड़ यात्रा कर रही हैं। वह हरिद्वार से गंगाजल लेकर मेरठ पहुंची हैं। उनके साथ दोनों बच्चे भी हैं। रीना के मुताबिक बीमारी के कारण उनके पति चल नहीं पाते। पति के स्वस्थ होने की मन्नत लेकर वह पैदल यात्रा कर रही हैं।

हरिद्वार में गंगा में डूब रहे उत्तर प्रदेश के कांवड़ियों को बचा लिया गया। उधर, कांवड़ियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। मुजफ्फरनगर में भीड़भाड़ वाले इलाकों में बंकर बनाए गए हैं। यहां बुलेटप्रूफ जैकेट पहने और ऑटोमेटिक हथियारों से लैस जवान तैनात हैं।

महिला के घर पर 25 राउंड फायरिंग, ट्रेनी आईपीएस के पिता पर आरोप

पुलिस ने मौके से कारतूस के खोखे बरामद किए, नौ संदिग्ध हिरासत में

नईदुनिया ब्यूरो, सीतापुरः उत्तर प्रदेश के सीतापुर में रविवार दोपहर एक महिला के घर पर 20 से 25 राउंड फायरिंग का मामला सामने आया। महिला ने झारखंड में ट्रेनी आईपीएस के रूप में तैनात मयंक बाजपेई के पिता विपिन बाजपेई पर फायरिंग कराने और हत्या की धमकी दिलाने का आरोप लगाया है। घटना महोली कोतवाली क्षेत्र में अढ़ौरी बाईपास मोड़ के पास हुई। पुलिस ने मौके से कारतूस के खोखे बरामद किए हैं और नौ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

महिला शोभना शुक्ला ने बताया कि रविवार दोपहर करीब दो बजे डीसीएम से 24-25 हथियारबंद लोग उनके घर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज के बाद ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी और उन्हें घर से बाहर खींचकर हत्या करने की धमकी दी। घटना के समय शोभना घर पर अकेली थीं। उनके पति और बच्चे देवरिया गांव गए हुए थे।

शोभना के अनुसार, उन्होंने 2018 में

अढ़ौरी बाईपास पर 19 बिस्वा यानी करीब 8265 वर्गफीट जमीन का बैनामा कराया था। जमीन की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई गई है। जमीन के एक हिस्से में मकान बनाकर वह परिवार के साथ रह रही हैं। उनका आरोप है कि दूसरे पक्ष के लोग जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। शोभना ने बताया कि मयंक बाजपेई के पिता विपिन बाजपेई ने 2022 में इसी जमीन को लेकर बैनामा कराया था। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा है। महिला के मुताबिक, करीब दो महीने पहले महोली तहसील में जमीन से जुड़े मामले में फैसला उनके पक्ष में आया था। इसके बावजूद दूसरे पक्ष पर जमीन पर कब्जे की कोशिश का आरोप है।

फायरिंग के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। सोलर पैनल और घर की दीवारों पर गोली के निशान मिले हैं। पुलिस ने कारतूस के खोखे भी बरामद किए।

महोली के क्षेत्राधिकारी नागेंद्र चौबे ने बताया कि यह हवाई फायरिंग का मामला है और किसी को चोट नहीं आई है। नौ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इंस्पेक्टर जेबी पांडेय ने बताया कि महिला की लिखित शिकायत मिली है। मामले में केस दर्ज कर फायरिंग सहित सभी आरोपों की जांच की जाएगी। मयंक बाजपेई ने यूपीएससी 2024 में 149वीं रैंक हासिल की थी। यह उनका तीसरा प्रयास था। उनके पिता विपिन बाजपेई किसान हैं।